Committee. Kindly take it up with the Chairman and kindly evolve a strategy so that we can avoid it. I have understood both your points. I myself will communicate them to the hon. Chairman. We shall treat this subject as closed. Thank you.

STATEMENT BY MINISTER

Reply to the clarifications to the increase in Prices of Certain Petroleum Products - Contd.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक) : सभापति जी, कल जिन 13 माननीय सदस्यों ने अपने विचार यहां रखे, उनको मैंने गंभीरता से सुना है और उनको मैं इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं । साथ ही साथ मैं उनको भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो कल यहां देर तक बैठे और उन्होंने सबके विचार सुने । इसके अतिरिक्त जो यहां मुझे शांति से सुनेंगे, उनको भी मैं प्रारम्भ में ही धन्यवाद देना चाहता हूं । मिट्टी का तेल, घरेलू गैस की कीमतें और उसका उपयोग करने वाली जनता -- यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसमें कोई दो राय नहीं है । यह सौ करोड़ लोगों का देश है और हर परिवार को पकाने के लिए या तो मिट्टी का तेल चाहिए या एल.पी.जी. गैस चाहिए । अगर यह दोनों चीजें नहीं मिलती हैं तो जंगल में जाकर वह लकड़ियां लाते हैं । इसलिए मैं समझता हूं कि हर परिवार का मिट्टी के तेल और एल.पी.जी. के साथ संबंध है और इसी भूमिका में गंभीरता से विचार करके हमने सभी पहलुओं को सामने रख । और फिर निर्णय किया। माननीय सदस्यों ने जो स्पष्टीकरण पूछे हैं, मैं उनका उत्तर देने की पूरी कोशिश करूंगा। पहली बात तो यह आयी कि हमने अचानक दाम बढ़ाए । संसद के सत्र का पहला हिस्सा समाप्त हुआ था, सैशन का दूसरा हिस्सा शुरू होना था और ऐसे समय में हमने दाम बढ़ाए। यह पार्लियामेंट की अवहेलना है । इस प्रकार के विचार माननीय सदस्यों ने रखे। पहले तो मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि संसदीय परम्पराओं के बारे में मेरे मन में और हमारी सरकार के मन में काफी आदर है और उसके अनुसार हम चलने की कोशिश करते हैं । लेकिन इसके साथ-साथ मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह सारे कीमतों के जो मामले हैं, यह ऐडमिनिस्टर्ड प्राइसिस हैं और ऐडमिनिस्टर्ड प्राइसिस के संबंध में पहले सदन में पेश करना ही चाहिए, ऐसी कोई बात नहीं है। मैंने कोशिश की और पिछले दस साल की जानकारी मेरे पास है कि वह दाम कब-कब बढ़ाए गये । मैंने देखा कि एल.पी.जी. के दाम पिछले दस साल में अब तक सात बार बढ़ाए गये जिसमें से पांच बार उस समय दाम बढ़ाए गए जब सदन नहीं चल रहा था । इसी प्रकार डीज़ल के दामों में 13 बार परिवर्तन हुआ जिसमें से 11 बार बजट सैशन नहीं चल रहा था ।

पैट्रोल के दाम आठ बार बढ़ाए गए जिसमें से पांच बार उस समय दाम बढ़ाए गए जब बजट नहीं चल रहा था और ए.टी.एफ. के 6 बार दाम बढ़ाए गए जिसमें से 3 बार बजट सैशन नहीं चल रहा था । मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि यह कोई परम्परा नहीं है कि यहां पर इस प्रकार का वक्तव्य करना चाहिए । मैं करना चाहता था लेकिन नहीं कर पाया इसलिए जब हमने ऐडमिनिस्टर्ड प्राइसिस बढ़ाए तो मैंने ही सुओ मोटो स्टेटमेंट किया है । मैंने यह भी देखा कि पिछले दस साल में पेट्रोलियम प्राइसिस की जब-जब वृद्धि हुई, किसी ने इस प्रकार का सुओ मोटो स्टेटमेंट नहीं किया था । मैंने एक नयी परम्परा की शुरुआत की है । इसके अतिरिक्त महोदय, यह बात कही गयी कि हमने दाम क्यों बढ़ाए ? महोदय मैंने कांग्रेस की सरकार के पूर्व प्रधान मंत्री पी.वी.नरसिंहराव जी का उल्लेख किया, उसके बाद मैंने देवेगौड़ा जी का उल्लेख किया और गुजराल जी का उल्लेख किया । उसका मुख्य कारण यह था कि लिब्रलाइजेशन की, ग्लोबलाइज़ेशन की, प्राइवेटाइज़ेशन की प्रक्रिया 1991 में प्रारम्भ हुई थी । इस प्रक्रिया के तहत जब पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कीमतों पर विचार किया गया तो उस समय एक कॉन्सैंसस निकल रहा था कि कांग्रेस ने विचार किया है, लैफ्ट फ्रंट ने विचार किया है, उनको समर्थन दिया है, यूनाइटेड फ्रंट ने किया है, वही कड़ी है क्योंकि इसमें तुरन्त परिवर्तन करना संभव नहीं होता है ।

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal) : Sir, the Minister should give the factual information.

SHRI RAM NAIK: I am supposed to give the factual information. I am giving the factual information. *(Interruptions)* Sir, I am not yielding. I am giving the factual information. इसलिए कीमतों के बारे में जो एक सहमति बननी चाहिए, वह सहमति हमने बनाने का प्रयास किया है । जो पहले से चला आया है, जो देश के हित में उस समय पर निर्णय किया, वही हम आगे चला रहे हैं' बात आयी कि उस समय किसकी सरकार थी ? मेरे पास कल भी जानकारी थी, आज भी जानकारी है। सरकार ने अक्तूबर 1995 में यह फैसला किया कि इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और सरकार ने कमेटी ऑफ सैक्रेट्रीज़ को बताया कि यह जो मामला है - विदेशों में कीमतें बढ़ती हैं तो यहां पूल अकाउंट में डैफिसिट होता है । इसकी चर्चा करने के लिए आप कमेटी बनाइए । और कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज़ ने 23 फरवरी, 1996 को यह निर्णय किया कि ऐसी एक एक्सपर्ट टेक्नीकल कमेटी बनाई जाए और उसके तहत इस बात पर विचार किया जाए । तो जब यह निर्णय लिया गया, उस समय कांग्रेस की सरकार थी और इसका उल्लेख मैंने केवल इसलिए किया कि नरसिंह राव जी के नेतृत्व में ही लिब्रलाइज़ेशन, प्राइवेटाइज़ेशन की प्रक्रिया शुरू हुई थी । बाद में 25 जून, 1996 को एक्सपर्ट टेक्नीकल ग्रुप बनाया गया । उस समय देवेगौड़ा जी प्रधान मंत्री थे और इसलिए पहले का निर्णय आगे चलाया गया । वह कमेटी नियुक्त हो गई ।

Terms of references तय हो गए और terms of references तय होने के बाद 20 नवंबर, 1997 को जब गुजराल जी प्रधान मंत्री थे, उस समय इस कमेटी की रिपोर्ट पर विचार करके निर्णय लिया गया । तो जो नए परिवर्तन हम इकॉनॉमी में कर रहे हैं, उसके संबंध में निर्णय तो पहले ही युनाईटेड फ्रंट ने लिया और हम उसी पर अमल कर रहे हैं । इसलिए मैंने कल कहा और उसका उल्लेख करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि जो इकॉनॉमिक डेवलपमेंट प्रोसेस चल रहा है, वह सबको मालूम हो । यदि देश का आर्थिक विकास और उसका स्वास्थ्य ठीक करना है तो यह जो निर्णय एक्सपर्ट टेक्नीकल ग्रुप ने लिया, वह योग्य है, ऐसा हमने सोचा और इसलिए हमने उसको अमल करने की कोशिश की है ।

अब सबसिडी आवश्यक है या नहीं और इसको जनरल बजट से क्यों नहीं दिया जाए, यह भी एक बात आई और मैं सदन को स्पष्ट करना चाहता हूं कि जो सबसिडी कम करने का निर्णय हुआ है फेज़्ड मैनर में सन् 2002 तक तो उसमें एक पक्ष यह भी है कि अंत में सन् 2002 में जो केरोसीन है, उस पर 33.33 परसेंट सबसिडी रहनी चाहिए और साथ ही साथ जो एल.पी.जी. है, उस पर भी 15 परसेंट सबसिडी रहनी चाहिए । मतलब सबसिडी रहने वाली है लेकिन उस समय 2002 में ऑयल पूल एकाउंट का मामला समाप्त हो कर उसके लिए जो भी एमाउंट सबसिडी का लगेगा, वह जनरल बजट से दिया जाएगा - ऐसा निर्णय नवंबर, 1997 में एक्सपर्ट लोगों की जो कमेटी बनी थी, उसने किया था और इसलिए मुझे लगता है कि यह बात मैं आपके सामने कह दूं कि सारी सबसिडी समाप्त नहीं हो रही है । लेकिन इस समय यह करना ज़रूरी है और इसलिए कभी-कभी आम आदमी के साथ बात करते हुए मैं अपना एक उदाहरण देता रहता हूं । मैं लोगों के साथ जब बात करता हूं तो कहता हूं कि भाई, एक बहुत गंभीर बीमारी होती है कैंसर और आपको मालूम है कि मुझे कैंसर हुआ था । मैं एक साल तक कैंसर से बीमार था । मुझे डॉक्टर ने केमोथेरेपी की ट्रीटमेंट बताई जिसमें दो-तीन इंजेक्शन पंद्रह दिन के बाद दिए जाते थे । उसमें सारे बाल चले जाते हैं, खून की पेशियां मर जाती हैं । डॉक्टर कहते हैं कि कैंसर को यदि मारना है तो आपके बाल चले जाएंगे, आप कमज़ोर हो जाएंगे लेकिन उस केमोथेरेपी ने सारा कैंसर समाप्त कर दिया और मुझे पांच साल हो गए, मैं फिर से पहले जैसा काम कर रहा हूं । तो इस प्रेज़ेंट सिचुएशन में अपने देश की इकॉनॉमी इस प्रकार की है कि थोड़ा उसको कड़वा इंजेक्शन देने की ज़रूरत है और उसको एक कर्त्तव्य के नाते, एक कटु कर्त्तव्य के नाते देशहित में देने का हमने निर्णय किया है और मैं यह मानता हूं कि जो सोचने वाले हैं, वे जरूर इसको सोच सकते हैं । ...(व्यवधान)...

SHRI JIBON ROY (West Bengal): Only the poor people have to sacrifice.

श्री राम नाईक : मैं इस इंटरप्शन का जवाब नहीं देना चाहता हूं लेकिन मुझे जो कहना है ...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय : बात यह है कि आपने केरोसीन का भाव सौ प्रतिशत बढ़ा दिया है । क्या यह इलाज है ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR) : You have made that point in your speech.

श्री राम नाईक : बात यह है कि हमने केरोसीन और एल.पी.जी. की कीमतें बढ़ाने का जो निर्णय किया, उसके चार प्रमुख कारण हैं । एक प्रमुख कारण तो विदेशों में पेट्रोलियम की कीमतें 146 परसेंट से ज्यादा बढ़ गई हैं ।दूसरा यह था कि डीज़ल और केरोसीन की कीमतों में जो अंतर है, ।। रुपए से अधिक अंतर हमारे देश में है और आपको आश्चर्य होगा यदि मैं बताऊं कि पाकिस्तान, बंगलादेश और दुनिया में इस प्रकार का अंतर कहीं नहीं है। ...**(व्यवधान)**....

श्री जीवन राय : गांव के आदमी फॉरेस्ट काट कर खत्म कर देंगे । You should understand and realise it. पूरा फॉरेस्ट खत्म हो जाएगा हिंदुस्तान का।

श्री राम नाईक :जो तीसरी बात हमने कही है वह 1997 के निर्णय के आधार पर कही है। मैं कह रहा था कि विदेशों की जो बात आती है और गरीबों की बात ...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय : आपने दाम बढ़ा दिए...**(व्यवधान)**... पूरे हिन्दुस्तान के लोगों के लिए आपने दाम बढ़ा दिए और आप बोलते हैं कि यह कैंसर का इलाज है।...**(व्यवधान)**... गरीब लोगों के लिए...**(व्यवधान)**... यह कैंसर का इलाज है?...**(व्यवधान)**...आपने गरीबों का नुकसान कर दिया और सौ प्रतिशत कैरोसीन का भाव बढ़ा दिया।...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Mr. Jibon Roy, please take your seat.

SHRI JIBON ROY: Are you going to take that remedy against the poor? ...**(व्यवधान)**... अब आप बोलते हैं कि यह कैंसर का इलाज है।...**(व्यवधान)**....पूरा कैंसर गरीब के अंदर है...**(व्यवधान)**... यह कहना ठीक नहीं है।...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Mr. Jibon Roy, please take your seat. Hon. Members have sought clarifications. A reply is being given. You may accept it or you may reject it outright, but, please, don't interrupt.

श्री राम नाईक : और इसलिए...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सरोज दुबे : हम जानते हैं, ये कम करने वाले नहीं है। ...**(व्यवधान)**... इन्होंनें जो फैसला कर लिया, कर लिया। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): *Interruptions* is not the way out. Nothing will go on record.

श्री राम नाईक : मैं तो यह कह रहा था कि ...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय : *

THE VICE-CHAIRMAN: You kindly confine yourself to the clarifications.

श्री राम नाईक: सर, मैं तो यह कह रहा था कि देश की इकनोमी ऐसे स्तर पर चली गई है जिसके लिए इस प्रकार का कड़वा ...**(व्यवधान)**....महोदय, जिस प्रश्न पर चर्चा हो रही है उस पर ही मैं उत्तर दूंगा।...**(व्यवधान)**...

THE VICE -CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Mr. Jibon Roy' please don't interrupt.

श्री राम नाईक : मैं यह चर्चा कर रहा था कि देश की इकोनोमी ऐसी स्थिति में चली गई इसलिए हमको यह कड़वा घूंट लेना पड़ा है, देना पड़ा है।...**(व्यवधान)**... लेकिन कुछ लोगों को...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय: *

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal) : *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Mr. Basu, it was there in the statement. In your clarification, you have referred to it.

SHRI JIBON ROY: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Perhaps he does not have the intelligence that you have. That perhaps is his shortcoming. But please, let him reply.

श्री राम नाईक : सर, इसलिए मैं यह कह रहा था कि यह कड़वा घूंट हमको लेना पड़ा है, देना पड़ा है। लेकिन मैं एक हकीकत इस सदन के सामने रखना चाहता हूं और वह यह है कि इस देश के तीन नेबरिंग कन्ट्रीज हैं पाकिस्तांन, बंगलादेश और श्रीलंका। मैं आपको केवल एक ही उदाहरण दे रहा हूं। ...**(व्यवधान)**... ज्यादा पढ़ूंगा भी नहीं।...**(व्यवधान)**... अभी हमने ...**(व्यवधान)**...

---

*Not recorded

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Nothing will go on record. *(Interruptions)* I am gathering an impression that you do not want to hear the reply. Please don't do that. *(Interruptions)* Let him give his reply. Don't interrupt. None of the interruptions will go on record.

श्रीमती सरोज दुबे : *

श्री जीवन राय : *

श्रीमती सरोज दुबे : *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Mr. Basu, it was there in the statement. In your clarification, you have referred to it.

SHRI JIBON ROY: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Perhaps he does not have the intelligence that you have. That perhaps is his shortcoming. But please, let him reply.*(Interruptions)*

Mr. Biplab Das Gupta, is this the way decorum is kept in the House? *(Interruptions)* Mr. Minister, will you please take your seat? Mr. Das Gupta, you staged a walk-out on the ground that your Members were not allowed to speak because of interruptions. Now, you are interrupting.

Please don't interrupt the Minister whether you like it or not, that is your privilege, that is your right; and you can exercise. But interruption is not the method. ..*(Interruptions)*... Please take your seat.

श्रीमती सरोज दुबे : *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): When the Chair is standing, please take your seat. ..*(Interruptions)*... Please take your seat.

श्रीमती सरोज दुबे : *

SHRI JIBON ROY: *

श्रीमती सरोज दुबे : *

श्री रामदेव भंडारी (बिहार) : *

श्रीमती सरोज दुबे : *

---

*Not recorded.

श्री राम नाईक : उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे यह अपेक्षा थी कि जिस तरह मैंने उनका भाषण शांति से सुना उसी तरह वे भी मुझे सुनेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि जो तर्क सुनने की क्षमता होती है वह क्षमता समाप्त हो गई है...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): None of the interruptions will go on record.

श्री राम नाईक : मैं यह कह रहा था कि...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय : *

श्रीमती सरोज दुबे : *

श्री राम नाईक : मैं यह कह रहा...**(व्यवधान)**... If you ask your Members to sit down, then, I will yield. ...*(Interruptions)*... otherwise, I will not. मैं यह कह रहा था कि हमने कीमते बढ़ाने की ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Please take your seat. This is the last time I am telling you. He is entitled to give clarification. You may accept it or you may not accept it. You may consider it. You may outright reject it. But, please allow the Minister to reply. ...*(Interruptions)*... No, this is not the way. No, no, we have to go by the rules. This is not the way. ...*(Interruptions)*... Minister, you continue your speech as if there is no interruption.

श्री राम नाईक : केरोसीन की अढ़ाई रुपये बढ़ाई, एल.पी.जी. की 30 रुपये बढ़ाई और उसके बाद जो दाम हैं...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सरोज दुबे : *

श्री राम नाईक : मैं यह कह रहा था कि हमने जो कीमतें बढ़ाई हैं उन्हें बढ़ाने के बाद, जो तीन देशों का उल्लेख किया वे देश हिंदुस्तान से गरीब देश हैं, वे देश हिंदुस्तान से अविकसित देश हैं और इसलिए...**(व्यवधान)**... हमारे यहां जब 5.46 पैसे केरोसीन की कीमत की गई है तब आज श्रीलंका में उसकी कीमत 9.12 पैसे है, पाकिस्तान में 9.46 पैसे और बंगलादेश में 11.05 पैसे हमारी कीमत से nearly more than double इस प्रकार से ये कीमतें हैं और इन कीमतों को बढ़ाने के बारे में एक तर्क यह भी था कि दुनिया में ओपेक कंट्रीज ने जो अभी फैसला लिया था उस फैसले के कारण कुछ कीमत कम की जा रही हैं तो क्या हम भी उसमें परिवर्तन करेंगे? ओपेक कंट्रीज ने जो निर्णय लिया था उसके बाद कुछ कीमतें कम हुईं, यह बात सही है लेकिन हमारे यहां जो पूल डेफिसिट एकाउंट है वह बढ़ाना

*Not recorded.

है । साथ ही ओपेक कंट्रीज ने यह भी फैसला किया है कि जून, 2000 से इसकी रिवीजन करेंगे । ऐसे रिवीजन की बात उन्होंने कही । इस संबंध में जून में स्थिति क्या होती है उस आधार पर हम इन बातों पर विचार करेंगे । एक अन्य बात यह भी आई है कि हम विदेशों से 70 परसेंट क्रूड ऑयल इम्पोर्ट करते हैं...**(व्यवधान)**... और स्वेदश का जो उत्पादन है वह 30 परसेंट हो गया है । स्वेदश का उत्पादन बढ़ाने का यही एक रास्ता था और स्वदेश का उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से हमने 12 अप्रैल को 25 एक्सप्लोरेशन जोन कांट्रेक्ट किए हैं...**(व्यवधान)**... इन ब्लाक्स में गहरे समुद्र में किनारे से 170-190 किलोमीटर दूर जा कर के अपने देश के लोग खोज करेंगे। इसके आधार पर हम क्रूड आयल का उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करेंगे । ...**(व्यवधान)**... मैं यह भी आपको बताना चाहता हूं एक्सप्लोरेशन पॉलिसी में हमने 25 ब्लाक दिये हैं । In the second round in the months of November-December इस साल में और उत्पादन बढ़ाने की कोशिश करेंगे । दूसरी बात यदि हम इंपोर्ट कर रहे हैं क्रूड आयल और डीज़ल का इतने सालों से हम इंपोर्ट करते आ रहे हैं (व्यवधान) लेकिन हमने अपने यहां देश की रिफाइनिंग केपेसिटी भी बढ़ाई है ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): One minute. They want to walk out.

श्री जीवन राय : हम वाक आऊट कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सरोज दुबे : हम भी विरोध में सदन से वाक आऊट कर रहे हैं । ...**(व्यवधान)**...

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): We are walking out ....*(Interruptions)*.

श्री राम नाईक : सारे देश की रिफाइनिंग केपेसिटी 1998-99 में 69 मिलियन मीट्रिक टन थी ।...**(व्यवधान)**... वह हमने पिछले साल में 43 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा कर 112 मिलियन मीट्रिक टन कर दी है...**(व्यवधान)**...

SHRI BRATIN SENGUPTA (West Bengal): In protest, we are walking out. *(Interruptions)*. Let this Government go to hell.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Please don't use these words. That is not the way to use the language. *(Interruptions)*.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, he says, let the Government go to hell. *(Interruptions)*. Your party has gone to hell.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): I have said that you are creating the atmosphere for staging a walk-out. *(Interruptions)*. I am sorry to say that you are doing this.

(*At this stage, some hon. Members left the Chamber.*)

Now, let there be peace. You are not bound to accept the reply. Whether you accept the reply or not, he is entitled to give his reply.

श्री राम नाईक : मैं यह कह रहा था कि जहां तक रिफाइनिंग केपेसिटी बढ़ाने का सवाल है हम अपने देश के रिफाइनिंग के काम में स्वयं पूर्ण हैं । 112 मिलियन मीट्रिक टन हम अपने यहां क्रूड को प्रोसेस कर सकते हैं । ऐसी स्थिति में देश आया है कि आगे हम डीज़ल और पेट्रोल आयात नहीं करेंगे । लेकिन क्रूड आयल इंपोर्ट करना पड़ेगा और यही क्रूड इंपोर्ट करते समय हमने अपनी रिफाइनिंग केपेसिटी बढ़ाई है । आज हम इंटरनेशनल लेवल पर अपना डीज़ल और पेट्रोल ले कर गये हैं । हमने 1 जनवरी, 2000 से लेड-फ्री पेट्रोल सब जगह देना शुरु किया और अभी अभी फरवरी से डीज़ल और पेट्रोल में जो सल्फर कंटेंट प्वाइंट फाइव परसेंट था वह हमने घटा कर प्वाइंट टू फाइव किया है और दिल्ली में तो हमने इसे प्वाइंट ज़ीरो फाइव सल्फर कंटेंट देना शुरु किया है। उद्देश्य यह है कि लोगों को साफ-सुथरा और इको-फ्रेंडली पेट्रोल और डीज़ल मिले। इसी दिशा में हम कोशिश कर रहे हैं। एक सवाल मिलावट के बारे में भी उठाया गया था। यह कहा गया कि केरोसीन आयल में मिलावट होती है, इसको रोकने के लिए आपने क्या किया? पहली बात तो यह है कि मिलावट के विरोध में काम करने का अधिकार राज्य सरकारों के पास होता है । इसलिए हमने राज्य सरकारों के सिविल सप्लाइज़ मिनिस्टर्ज़ की 24 दिसम्बर को एक मीटिंग बुलाई थी । उनके सामने मैंने यह पक्ष रखा । उन्होंने भी अपनी एक राय व्यक्त की कि डीज़ल और केरोसीन की कीमतों में जो अंतर है, वह अंतर कम करना चाहिये । राज्यों ने भी यह विश्वास दिलाया कि मिलावट के विरोध में वह काम करेंगे । हमने अपने मंत्रालय की तरफ से एक वीक लम्बा अभियान चलाया जिसमें हमने 1888 रिटेल आऊटलेट्स को चेक किया और हमने 137 सेंपल लिये और 59 लोगों पर हमने केसेज़ चलाए । हमने उनके पेट्रोल पंप्स की सप्लाइज़ को भी सस्पेंड किया, नोटिसेज़ इश्यु किये । इस प्रकार हम सब के सहयोग से कर रहे हैं । मैं यह नहीं मानता हूं कि मिलावट के बारे में कोई यह कहे कि मिलावट चलनी ही चाहिये, मिलावट को समाप्त करना अपना काम है और इसके विरोध में एक्शन लेने की मुख्य जिम्मेदारी राज्यों की है । हमारी भी जिम्मेदारी है, हम मानते हैं और इसी भूमिका में हमने मीटिंग भी बुलाई थी। अब दो तीन बातें और आईं । अभी हमारे मित्र दीपांकर जी यहां नहीं हैं लेकिन मैं उनका उल्लेख करना चाहूंगा क्योंकि उन्होंने एक ऐसा विवाद खड़ा करने की कोशिश की, उन्होंने

एक विशेष पार्टी का नाम लिया और यह कहा कि रिलायंस को हमने कोई विशेष सहूलियत देने के लिए किया है । मैं पहले यह बताना चाहता हूं कि उनको इस विषय की कुछ जानकारी नहीं दिखती। जानकारी होगी तो गलत ढंग से पेश करने में वे बड़े माहिर दिखते हैं। अब हुआ क्या? यह केवल गुजरात और रिलायंस के बारे में नहीं हुआ है। हर राज्य अपने राज्य में नये नये उद्योग आएं इसलिए कई प्रकार के इन्सेंटिब्स घोषित करता है। ऐसे इन्सेन्टिव्स में एक इन्सेन्टिव यह रहता है कि हम आपका सेल्स टैक्स माफ कर देंगे। अब कुछ राज्य पार्टिक्युलर नम्बर आफ इयर्स सेल्स टैक्स माफ करने की बात करते हैं। कुछ ऐसा करते हैं कि हम डेफर्ड पेमेंट की आपको सुविधा देंगे। ऐसी अवस्था आलरेडी कर्नाटक में है । The Mangalor Refinery is a joint venture of Birlas and other petroleum companies.उसमें आलरेडी दी हुई है। अब यहां गुजरात में क्या हुआ। गुजरात में गुजरात सरकार ने कहा कि आपको हम आपशन्स दे रहे हैं। आपको क्या चाहिए, बताइए। यह जो निर्णय है वह गुजरात सरकार और उस कंपनी के बीच का निर्णय है। निर्णय उन्होंने इन्सेंटिव के तौर पर यह दिया कि 1/3 जो सेल्स टैक्स है उसके लिए आपको हम एक्जेम्प्ट करेंगे और 2/3 जो है वह डेफर्ड पेमेंट में आपको देंगे। आखिर आयल कंपनीज को सेल्स टैक्स देना पड़ता है। Because the sale will be effected by the Reliance to the oil companies.इसलिए आयल कंपनीज को जो सेल्स टैक्स देना पड़ता है तो सेल्स टैक्स देते समय 1/3 तो उन्होंने छोड़ दिया और 2/3 जो है वह गुजरात सरकार और उनका एग्रीमेंट है। इसलिए डेफर्ड पेमेंट के अंदर इस प्रकार का उन्होंने कन्सेशन दिया। उसमें कोई ऐसी इधर-उधर की बात नहीं है। राज्य सरकार का और उनका यह एक खुला व्यवहार है।

केवल एक और बात कहकर मैं अपना वक्तव्य समाप्त करूंगा। सुरेश केसवानी जी भी नहीं हैं। वे वहां महाराष्ट्र के हैं और महाराष्ट्र में भी सांगली जिले से हैं। मैं भी इस सांगली जिले से हूं। इतना ही फर्क है कि वे एक पूंजीवादी कैपिटलिस्ट हैं, धनाड्य परिवार के हैं और मैं तो सांगली जिले में आठपाड़ी करके एक 12 मंथ्स.ड्राउट प्रोन इस प्रकार का एक छोटा सा विलेज है उस विलेज से परीक्षा पास करते करते मुम्बई में आया। आप उपसभाध्यक्ष हैं आपको मालूम होगा कि मैं तो मुम्बई में एक सरकारी आफिस में अपर डिवीजन क्लर्क की तरह काम करता था जब मैं पहले मुम्बई में आया था। उन्होंने कल एक वक्तव्य दिया। उससे मैं बड़ा आहत हुआ नहीं, तो मैं व्यक्तिगत मामलों का ऐसा जिक्र करने के एकदम विरोध में हूं। हमारे केसवानी जी ने कल यहां कहा :

The Minister feels very happy in saying that he went to some fora in an air-conditioned five star hotel and addressed various people and obtained their assent that there was no increase in the prices of petrol and

3.00 P.M.

diesel. Does he realise where this country lives? How can he do this? Mr. Minister, do you have any sense of responsibility?

सेंस ऑफ रिस्पांसिबिलिटी मेरे पास है क्या? ऐसा एक पूंजीवादी परिवार में जो हैं वे मुझसे पूछ रहे हैं। उपसभाध्यक्ष जी, मैं मुम्बई शहर का रिप्रेजेंटेशन करता हूं। मुम्बई शहर एक दृष्टि से देखा जाए तो देश की आर्थिक राजधानी है। मेरा यह भाग्य है कि जिस शहर में एक अपर डिवीजन क्लर्क की तरह नौकरी करने के लिए मैं गया उस शहर ने मुझे तीन दफा विधान सभा में चुनकर भेजा, पांच दफा लोक सभा में चुनकर भेजा। मैं अपने आप में अकेला हूं इस मुम्बई शहर में जिसको इस प्रकार का गौरव मतदाता देते हैं। आठ दफा कंटीनुअसली उन्होंने मुझे जिताकर भेजा और हर समय पर पहले से ज्यादा वोट थे। तो उन लोगों की चिंता मैं नहीं करूंगा इस प्रकार के लोग करेंगे? यह संभव ही नहीं हो सकता। हमने विचार किया। मैं इसलिए आहत हुआ कि कौन से एयरकंडीशंड होटल में हमने इस प्रकार की चर्चा की हमको मालूम नहीं है, यह कहा। हमने चर्चा की। मिनिस्टर्स की मीटिंग बुलायी। सिविल सप्लाइज मिनिस्टर्स की मीटिंग बुलाई। उनके साथ चर्चा की। उन्होंने अपनी राय एकमत से दी।

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Sir, the Minister has used the phrase: "Punjiwadi Parivar se aate hain." Kindly look into the record. I will be too happy if the hon. Minister corrects it himself. We should criticise each other. But we should not criticise the family.

SHRI RAM NAIK: What I meant by it is that he comes of a rich family.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: That is all right. But you should not bring that reference to the family. We are criticising each other. You talk to the Member. But don't drag the family.

श्री राम नाईक : ठीक है। मैं इस बात से सहमत हूं। मैं उन पर ही हमला करना चाहता था, वे होते तो और अधिक करता । लेकिन अभी वह नहीं हैं, इसलिए ज्यादा नहीं कर रहा हूं। मैंने फूड एंड सिविल सप्लाईज़ मिनिस्टर्ज़ की मीटिंग ली और वहां चर्चा की। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री की जो कंसलटेटिव कमेटी है, उनसे भी चर्चा की। देश भर में कई जगह पर मैं गया और जहां-जहां गया वहां के कंज्यूमर्ज़ के जो फोरमज़ हैं उनके साथ चर्चा की और हमने उनको बताया कि यह बात ऐसी है। उसमें से जो बात निकली उस बात को करने का हमने प्रयास किया है। कोई फाईव स्टार होटल में हम इस काम के लिए नहीं गए। अब किसी ने कभी शादी वगैरह में बुलाया होगा तो वह बात दूसरी है । इसलिए मैंने इस सारे विषय पर

बड़ी गंभीरता से चर्चा की है। मैंने लोगों की बात समझी और लोगों को भी अपनी बात समझाई, क्योंकि हरेक को यह लगता है और स्वाभाविक भी है कि यह बोझ आ रहा है। अब कौन सा ऐसा परिवार होगा कि जो नहीं कहेगा कि यह बोझ नहीं है। मैं भी कह रहा हूं कि बोझ आ रहा है। लेकिन अपने एक कटु कर्त्तव्य के नाते हमने यह निर्णय लिया है और देश के हित में यह निर्णय लिया है। जब भी कोई निर्णय लेते हैं तो बड़ी जिम्मेदारी के साथ लेते हैं और तभी यह कीमतें बढ़ाई गई हैं। हमने कीमतें बढ़ाते समय बहुत सोच-विचार करके यह निर्णय लिया है। इसलिए उसको वापस लेना मेरे लिए संभव नहीं है। इतना ही मैं कहना चाहता हूं। धन्यवाद।

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS

THE VICE CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Shri Venkaiah Naidu to move the motion.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Mr. Vice-Chairman, Sir, I beg to move:

That an Address be presented to the President in the following terms:

> "That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on February 23, 2000."

Sir, before I talk about this, I would like to say something about the use of air-conditioners and attending meetings in five star hotels. Sometimes, I also wonder about the fact that Parliament is airconditioned, but the people are not living in air-conditioned houses. Parliamentary meetings are held in five star hotels. Many people do not have houses; then, why are we doing this? And when we are doing this; then, why this hypocrisy? Let us not take things to that level and then try to unnecessarily criticise each other. *(Interruptions)*

MISS MABEL REBELLO (Madhya Pradesh) : You are in the Government. *(Interruptions)* Are you not organising them? *(Interruptions)*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am enlightened by your clarification. Earlier, in the five star hotels, I used to meet Members from